आज़ादी का अमृत महोत्सव

यूको मासिकी

यूको बैंक में राजभाषा विभाग के स्वर्णिम 50 वर्ष 1972- 2022

प्रधान कार्यालय की मासिक ई-पत्रिका

वर्ष - 4; अंक - 3

अगस्त, 2022

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

यूको मासिकी : अगस्त, 2022

संरक्षण एवं प्रेरणा
सोमा शंकर प्रसाद
एमडी एवं सीईओ

इशराक् अली खान
कार्यपालक निदेशक

दिग्दर्शन
मनीष कुमार
महाप्रबंधक
मा.सं.प्र., का.से., प्रशिक्षण एवं राजभाषा

संपादक
पंचानन साहु
मुख्य प्रबंधक-राजभाषा एवं प्रभारी
अमलशेखर करणसेठ
मुख्य प्रबंधक-राजभाषा

सहयोग
डॉ. सुनील कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक -राजभाषा
रोशनी सरकार साव
वरिष्ठ प्रबंधक -राजभाषा
आशीष शीतल बखला
प्रबंधक -राजभाषा

प्रकाशन एवं संपर्क
यूको बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,
10, बीटीएम सरणी, कोलकाता - 700001
ई-मेल horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in,

अनुक्रम

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
बैंकिंग वार्ता	3
आइकॉनिक सप्ताह	5
कोहिमा, नागालैंड में ऋण संपर्क कार्यक्रम का आयोजन: माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण	6
कार्यपालकों के दौरे	7
राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक	12
संसस्दीय राजभाषा समिति द्वार निरीक्षण	13
माह के हिंदी साहित्यकार	14
माह के पंजाबी साहित्यकार	15
स्वास्थ्यनामा	16
आओ जीएं जिंदगी	18
जरा मुस्कुराइए	19
15 अगस्त का कार्यक्रम	20
हर घर तिरंगा अभियान	21
हिंदी कार्यशालाएं	23
साइबर जागरूकता दिवस	26
नराकास पुरस्कार	27
संगोष्ठी	29
विदाई एवं सेवानिवृत्ति	32

यह पत्रिका आपको कैसी लगी ? कृपया ऊपर चिह्न पर क्लिक कर अपनी टिप्पणी अवश्य दें।

बैंकिंग वार्ता

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए दस्तावेज जारी किए। मौसम में अत्यधिक परिवर्तन से निपटने हेतु उपाय सुझाए

वित्तीय क्षोभ मंडल (troposphere) में जलवायु संबंधी परिवर्तनों से बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए बड़े/भारी जोखिम यथा संपार्श्विक (collateral) के रूप में रखी गई आस्तियों के अवमूल्यन, उधारकर्ताओं के दिवालियेपन, चलनिधि की अचानक मांग, बाजार की प्राथमिकताओं में परिवर्तन तथा वित्तीय संस्थाओं के परिचालन में रुकावट पैदा हो रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने इन परिवर्तनों से निपटने के लिए बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं की सहायता करने हेतु एक परामर्शी दस्तावेज जारी किया है। उक्त दस्तावेव में शामिल कुछेक सुझाव है - ग्राहकों से लेनदेन/ व्यवहार करते समय जोखिमों में अंतर्निहित कीमत (price-in risks) की पहचान करना तथा अपनी परिचालनात्मक निरंतरता को बनाए रखने के लिए बोर्ड के स्तर पर नीतियाँ निर्धारित किया जाना और उन्हें कार्यान्वित किया जाना। इसप्रकार के जोखिमों के प्रति उनके एक्सपोजर के बारे में हितधारको एवं विनियामकों को विहित रूप से सूचित किया जाना चाहिए। उधारकर्ताओं (विशेषत उन्हें जो जलवायु संबंधी जोखिमों के प्रति अत्यधिक सुभेद्य हों) को ऋण जारी किए जाने से पहले बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को समुचित जोखिम प्रबंधन नीतियों का दृढ़तापूर्वक समावेश कर लेना चाहिए। इनमें से कुछेक में ऋण चुकौती अवधि को सीमित रखे जाने, संपार्श्विक के स्थावर संपदा के रूप में होने पर ऋण सीमाओं को समायोजित किए जाने, उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभाव के कारण पैदा होने वाली हानियों से बचने के लिए बीमे का प्रावधान किए जाने और अत्यधिक कार्बन पदचिन्ह वाले क्षेत्रों से ऊर्जा संक्रमण योजना की मांग किए जाने का समावेश है।

बैंक नोट अधिप्रमाणन एवं छटाई के लिए मौजूदा दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संशोधित

नयी श्रृंखला वाले बैक नोट आरंभ किए जाने की पृष्ठभूमि में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक नोटों के अधिप्रमाणन एवं छटाई के लिए संशोधित दिशानिर्देश जारी किए है। बैंकों से अपनी बैंक नोट छटाई मशीनों की तिमाही आधार पर जांच करने के लिए कहा गया है। बैंकों द्वारा कटे-फटे और नकली भारतीय मुद्रा नोटों सहित गंदे नोटों के कम से कम 2,000 नगों की जांच गड्डी तैयार की जानी होगी। उक्त नोट पुरानी श्रृंखला वाले 100 रुपए के नोटों, नयी श्रृंखला वाले 100 रुपए के नोटों, 200 रुपए के नोटों, 500 रुपए के नोटों तथा 2,000 रुपए के नोटों जैसे भिन्न-भिन्न मूल्यवर्गों वाले होंगे। मशीन की जांच इन सभी नोटों का उपयोग करते हुये की जाएगी। छटाई के दौरान पाई जाने वाली विसंगति की स्थिति में आपूर्तिकर्ताओं को मशीन का पुनः अंशशोधन करना होगा।

बैंकिंग वार्ता

भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी प्रवाहों को आकर्षित करने, स्थानीय मुद्रा को संरक्षित करने हेतु उपाय जारी किए

निःशेष होती विदेशी मुद्रा को प्रारक्षित निधियों को पृष्ठभूमि में भारतीय रिजर्व बैंक ने स्थानीय मुद्रा को संरक्षित रखते हुये तथा समग्र स्थूल-आर्थिक एवं वित्तीय स्थिरता को भी सुनिश्चित करते हुये विदेशी प्रवाहों को आकर्षित करने हेतु कतिपय उपाय जारी किए हैं। 30 जुलाई को आरंभ हुये रिपोर्टिंग पखवाड़े से बैंकों को वृद्धिशील अनिवासी विदेशी (NRE) और विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (FCNR (IB)) जमाराशियों के लिए आरक्षित नकदी निधि अनुपात (CRR) तथा सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) बनाए रखने से छूट दे दी गई है। उक्त छूट 4 नवंबर, 2022 तक जुटाई गई जमाराशियों के लिए उपलब्ध होगी और इससे अधिक डालर आकर्षित किए जाने की आशा की जाती है। इसके अतिरिक्त, बैंकों को 31 अक्तूबर, 2022 तक 7 जुलाई से लागू होने वाली ब्याज दरों से संबंधित विनियमों पर ध्यान दिये बिना नयी विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) और अनिवासी विदेशी जमाराशियां जुटाने की अनुमति प्रदान की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 वर्षीय और 14 वर्षीय परिपक्वता वाले नए बाँड़ों के प्रवर्तन को पूर्णतः अभिगम्य मार्ग का पात्र बना कर सरकारी बाँड़ों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (ITI) से संबन्धित मानदंडों को शिथिल कर दिया है। सरकारी एवं कारपोरेट ऋण में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के लिए अवशिष्ट परिपक्वता से संबन्धित मानदंडों को शिथिल कर दिया गया है। स्वचालित मार्ग के अधीन बाह्य वाणिज्यिक उधार (ECB) की सीमा 750 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़ाकर 1.5 बिलियन अमरीकी डालर कर दी गई है। बाह्य वाणिज्यिक उधार ढांचे के तहत समग्र अंतर्निहित लागत (all-in-cost) की उच्चतम सीमा उधारकर्ता के निवेश श्रेणी वाली रेटिंग में होने की शर्त पर 100 आधार अंक बढ़ा दी गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक चाहता है कि शहरी सहकारी बैंकों के बोर्ड वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार अपनी ऋण नीतियों की समीक्षा करें

अग्रिमों के प्रबंधन के संबंध में अपने मास्टर निर्देशों (8 अप्रैल) के अनुरूप भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी शहरी सहकारी बैंकों (UCR) से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनकी ऋण नीतियों की उनके बोर्डों द्वारा किसी एक वित्त वर्ष में कम से कम एक बार समीक्षा की जाए। इससे इस बात का पता लगाने में सहायता प्राप्त होगी कि ऋण नीति अनुमोदित जोखिम-वहन-क्षमता का प्रतिबिम्बन करती है तथा वह वर्तमान विनियमनों के अनुरूप है। शहरी सहकारी बैंकों से यह अपेक्षित है कि वे ऋण वितरण के लिए ऋण एक्सपोजर मानदंडों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य दिशानिर्देशों के अनुरूप अपने बोर्ड के अनुमोदन से पारदर्शी नीतियाँ एवं दिशानिर्देश निर्धारित करें।

साभार : आईआईबीएफ विजन

आजादी का अमृत महोत्सव एवं आइकॉनिक सप्ताह

आजादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता के 75 साल और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने और यादगार बनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। इसकी आधिकारिक यात्रा 12 मार्च 2021 को स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की उलटी गिनती शुरू हुई।

वित्त मंत्रालय ने **6-11 जून, 2022** से अपने प्रतिष्ठित सप्ताह को कई कार्यक्रमों के साथ मनाया, जिसमें विभिन्न नागरिक केंद्रित पहल, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, व्याख्यान शृंखला, सेमिनार और संगोष्ठी, नशीली दवाओं के विनाश दिवस का पालन, साइकिल रैलियां आदि शामिल थे।

वित्त मंत्रालय का आज़ादी का अमृत महोत्सव आइकॉनिक सप्ताह 11 जून 2022 को केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), राजस्व, आर्थिक मामलों और वित्तीय सेवाओं के विभागों द्वारा प्रदर्शित कई कार्यक्रम शामिल थे।

लोगों के साथ-साथ बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करने और कर साक्षरता फैलाने के लिए, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कुछ दिलचस्प 'खेल से सीखें' उत्पाद विकसित किए हैं। एक अनुकूलित 'सांप और सीढ़ी' खेल का उद्देश्य छोटे बच्चों को करों के बारे में शिक्षित करना है। इसी तरह एक 3डी पहेली 'इंडिया गेट' का उद्देश्य बच्चों और युवा वयस्कों को दिलचस्प तरीके से करों का भुगतान करने की अवधारणा से परिचित कराना है। आय और करों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए डिजिटल कॉमिक बुक्स की एक शृंखला भी जारी की गई।

इस अवसर पर, आजादी का अमृत महोत्सव पर एक लघु वीडियो भी लॉन्च किया गया जिसमें देश के विकास में करों के योगदान और प्रत्यक्ष करों के क्षेत्र में किए गए सुधारों को दर्शाया गया है।

एक महत्वपूर्ण AKAM विषय "75 पर हल करें" है। तदनुसार, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा "प्रतिज्ञा" शीर्षक के साथ बनाया गया एक संगीत वीडियो जारी किया गया। इस वीडियो में, भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के लोग लोगों और राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लेते हैं।

समारोह के दौरान स्वतंत्रता के बाद से केंद्रीय बजट की यात्रा को दर्शाने वाली एक लघु फिल्म भी जारी की गई।

समापन समारोह का एक अन्य आकर्षण पुरी बीच पर प्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक द्वारा रेत कला का आभासी उद्घाटन हुआ। रेत कला 'राष्ट्र के विकास के लिए कर' विषय पर आधारित है।

Iconic Week celebration of Ministry of Finance under Azadi Ka Amrit Mahotsav, Goa

2,050 views • Streamed live on Jun 11, 2022 43 Share Save

वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित आईकॉनिक समापन समारोह को देखने के लिए इस वीडियो चित्र पर क्लिक करें।

Hindi:

Telugu:

Malayalam:

Marathi:

Bangla:

Assamese:

Punjabi:

Odia:

Kannada:

Gujarati:

Tamil:

वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा लोगों और राष्ट्र की सेवा करने का इस प्रतिज्ञा के माध्यम से फिर से संकल्प लिया गया जो उपर्युक्त भाषाओं में उपलब्ध है। ऊपर दिए गए लिंक पर क्लिक कर आप संबंधित भाषा में उस प्रतिज्ञा को सुन सकते हैं।

माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की गरिमामयी उपस्थिति में कोहिमा, नागालैंड में ऋण संपर्क कार्यक्रम का आयोजन

माननीय वित्त मंत्री ने 22 से 24 अगस्त, 2022 को संपर्क और सीएसआर कार्यक्रम के अवसर पर कोहिमा, नागालैंड का दौरा किया। संपर्क कार्यक्रम की अध्यक्षता नागालैंड और असम के माननीय राज्यपाल, नागालैंड के माननीय मुख्यमंत्री, सचिव डीएफएस और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ माननीय वित्त मंत्री महोदया ने की। सभी कार्यक्रम एसएलबीसी, नागालैंड द्वारा आयोजित किया गया था।

हमारे बैंक द्वारा हमारे उधारकर्ताओं के नमूना उत्पाद के साथ एक स्टॉल लगाया गया। माननीय वित्त मंत्री महोदया और कुल गणमान्य व्यक्तियों ने इसका दौरा किया। माननीय वित्त मंत्री महोदया ने उधारकर्ताओं और हमारे साथ महत्वपूर्ण चर्चा की। उसके बाद मुख्य मंच पर हमारे बैंक को स्वीकृति पत्र वितरित करने के लिए चुना गया था। माननीय मंत्री महोदया, माननीय राज्यपाल महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने ऋण लेने वालों के प्रतिनिधि को स्वीकृति पत्र वितरित किया।

कार्यपालकों के दौरे

यूको बैंक के माननीय एमडी और सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद ने 11 और 12 अगस्त को **संबलपुर** क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने शाखा प्रमुखों को संबोधित किया। उसके बाद भुक्ता शाखा का उद्घाटन किया। ग्राहकों और गैर-ग्राहकों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें एमडी एवं सीईओ ने प्रत्येक ग्राहक के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। संबलपुर से प्रस्थान करने से पूर्व उन्होंने अंचल कार्यालय का दौरा किया और अंचल कार्यालय के कर्मचारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और व्यावहारिक मुद्दों पर उनका मार्गदर्शन किया।

यूको बैंक ने दिनांक 20.08.2022 को नेरीवालम, तेजपुर में एक विशेष वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया। 450 से अधिक प्रतिभागियों के साथ वित्तीय समावेशन विभाग के महाप्रबंधक श्री रंजीत सिंह ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यपालकों के दौरे

माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सोमा शंकर प्रसाद द्वारा गुवाहाटी अंचल का दौरा

यूको बैंक ने दिनांक 19.08.2022 को गुवाहाटी में एमडी और सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद और महाप्रबंधक, वित्तीय समावेशन, श्री रंजीत सिंह के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में एक विशेष वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया।

कार्यपालकों के दौरे

माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सोमा शंकर प्रसाद द्वारा चेन्नई अंचल का दौरा

हमारे माननीय एमडी और सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद महोदय द्वारा 24 एवं 25 अगस्त , 2022 को चेन्नई अंचल का दौरा किया गया । 24 अगस्त को माननीय एमडी और सीईओ महोदय ने सभी शाखा प्रमुखों और क्षेत्रीय कार्यालयों के कर्मचारियों के साथ बातचीत की और उन्हें लक्ष्य और लाभप्रदता बजट की उपलब्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आरटीसी में प्रतिभागियों के साथ भी बातचीत की और उन्हें सीखने और कार्यक्रम का पूरा लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई में मोबाइल एटीएम वैन का उद्घाटन किया और फिर एक बैडमिंटन टूर्नामेंट का भी उद्घाटन किया | एक ग्राहक बैठक भी आयोजित की गई और एमडी और सीईओ सर ने वहाँ के सभी मूल्यवान ग्राहकों के साथ बातचीत की। 25 अगस्त को हमारे एमडी सर ने कांचीपुरम शाखा का दौरा किया। उन्होंने शाखा के प्रत्येक कर्मचारी के साथ बातचीत की और उन्हें बहुत सारे नवीन विचारों के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद नई खुली चेंगलपट्टू शाखा का दौरा किया गया और मौजूदा और संभावित ग्राहकों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में ऑनसाइट रीसाइक्लर का उद्घाटन किया। वहां से उन्होंने खुले रानीपेट शाखा के कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ भी बातचीत की।

कार्यपालकों के दौरे

हमारे माननीय एमडी और सीईओ सर ने दिनांक 12.08.2022 से 14.08.2022 तक भुवनेश्वर अंचल का दौरा किया। 12.08.2022 को उन्होंने शाखा प्रमुखों के साथ बातचीत की और व्यवसाय में सुधार पर विचार-विमर्श किया। शाम को उन्होंने ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक से मुलाकात की और उन्हें राज्य में एसएलबीसी ओडिशा और यूको बैंक की उपलब्धियों से अवगत कराया।

दिनांक 13.08.2022 को एमडी सर ने पुरी और सालेपुर में डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स (डीबीयू) का दौरा किया।

दिनांक 14.08.2022 को माननीय एमडी और सीईओ सर द्वारा कटक जिले के रानिओला में एक शाखा का उद्घाटन किया गया।

कार्यपालकों के दौरे

हमारे माननीय कार्यपालक निदेशक श्री इशराक् अली खान द्वारा दिनांक 12.08.2022 को धर्मशाला अंचल के अंतर्गत गोपालपुर शाखा एवं एटीएम का उद्घाटन किया गया। उन्होंने एटीएम का संचालन किया एवं उसके बाद गोपालपुर में आयोजित सभा को संबोधित किया तथा ग्राहकों के साथ बातचीत की। उन्होंने इसके पश्चात अंचल कार्यालय की समीक्षा की और शाखा प्रमुखों, अंचल कार्यालय के कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ बातचीत की। ।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक बैठक दिनांक 22.08.2022 को आयोजित की गई। यह एक ऐतिहासिक बैठक थी जिसमे डॉ. भागवत कराड, वित्त राज्य मंत्री, भारत के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक और रचनात्मक चर्चा हुई।

राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने बैंकों की चिंताओं को सक्रिय तरीके से दूर करने का आश्वासन दिया है।

हमारे एमडी और सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद ने दिनांक 21.08.2022 को हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री जी ने अपने व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से लोगों को सेवाएं प्रदान करने में यूको बैंक की भूमिका की सराहना की।

डॉ कराड की अध्यक्षता में ऋण संपर्क कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न बैंकों की विभिन्न सरकार प्रायोजित/अन्य ऋण योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र दिए गए।

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा यूको बैंक, उदयपुर मुख्य शाखा का निरीक्षण
दिनांक : 27 अगस्त, 2022 , उदयपुर

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा अजमेर अंचल के अधीन उदयपुर मुख्य शाखा का निरीक्षण किया गया उक्त अवसर पर प्रधान कार्यालय से श्री विजय कुमार, महाप्रबंधक, श्री अमलशेखर करणसेठ, मुख्य प्रबंधक, राजभाषा , अंचल कार्यालय अजमेर से अंचल प्रबंधक श्री राजेश उपाध्याय और सुश्री नम्रता सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा) भी उपस्थित थे।

सुभद्रा कुमारी चौहान : एक परिचय

माह के हिंदी साहित्यकार

सुभद्रा कुमारी का जन्म नागपंचमी के दिन 16 अगस्त 1904 को इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश) के निकट निहालपुर गाँव में हुआ था। सुभद्रा कुमारी को बचपन से ही काव्य-ग्रंथों से विशेष लगाव व रूचि थी। आपका विद्यार्थी जीवन प्रयाग में ही बीता। अल्पायु में ही सुभद्रा कुमारी चौहान की पहली कविता प्रकाशित हुई थी। सुभद्रा और महादेवी वर्मा दोनों बचपन की सहेलियाँ थीं। सुभद्रा कुमारी चौहान का विवाह खंडवा (मध्य प्रदेश) निवासी ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ हुआ। पति के साथ वे भी महात्मा गांधी के आंदोलन से जुड़ गईं और राष्ट्र-प्रेम पर कविताएं करने लगी।

उनका पहला काव्य-संग्रह मुकुल 1930 में प्रकाशित हुआ। इनकी चुनी हुई कविताएँ 'त्रिधारा' में प्रकाशित हुई हैं। झाँसी की रानी इनकी बहुचर्चित रचना है।

सुभद्रा कुमारी चौहान के बारे में जानने के लिए उपर्युक्त लिंक पर क्लिक करें।

बचपन में सुभद्राजी को प्रायः उनके काव्य के लिए ही जाना जाता है लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भी सक्रिय भागीदारी की और जेल यात्रा के पश्चात आपके तीन कहानी संग्रह भी प्रकाशित हुए, जो इसप्रकार हैं: **बिखरे मोती(1932) उन्मादिनी (1934) सीधे-सादे चित्र (1947)**

'बिखरे मोती' उनका पहला कहानी संग्रह है। इसमें भग्नावशेष, होली, पापीपेट, मंछलीरानी, परिवर्तन, दृष्टिकोण, कदम्ब के फूल, किस्मत, मछुये की बेटी, एकादशी, आहुति, थाती, अमराई, अनुरोध, व ग्रामीणा कुल 15 कहानियां हैं! इन कहानियों की भाषा सरल बोलचाल की भाषा है! अधिकांश कहानियां नारी विमर्श पर केंद्रित हैं! उन्मादिनी शीर्षक से उनका दूसरा कथा संग्रह 1934 में छपा। इस सोने की कंठी, नारी हृदय, दिमाग, व वेश्या की लड़की कहानियों का मुख्य स्वर है। 'सीधे साधे चित्र' सुभद्रा कथा संग्रह है। इसमें कुल 14 बिआल्हा, कल्याणी, दो साथी, कहानियों की कथावस्तु नारी समस्यायें हैं। हींगवाला, राही, में उन्मादिनी, असमंजस, अभियुक्त, पवित्र ईर्ष्या, अंगूठी की खोज, चढ़ा कुल 9 कहानियां हैं। इन सब पारिवारिक सामाजिक परिदृश्य ही कुमारी चौहान का तीसरा व अंतिम कहानियां हैं। रूपा, कैलाशी नानी, प्रोफेसर मित्रा, दुराचारी व मंगला - 8 प्रधान पारिवारिक सामाजिक तांगे वाला, एवं गुलाबसिंह कहानियां राष्ट्रीय विषयों पर आधारित हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान ने कुल 46 कहानियां लिखी और अपनी व्यापक कथा दृष्टि से वे एक अति लोकप्रिय कथाकार के रूप में हिन्दी साहित्य जगत में सुप्रतिष्ठित हैं। वातावरण चित्रण-प्रधान शैली की भाषा सरल तथा काव्यात्मक है, इसी कारण इनकी रचना की सादगी हृदयग्राही है।

कविता: झाँसी की रानी की समाधि पर झांसी की रानी, झिलमिल तारे, ठुकरा दो या प्यार करो, तुम, नीम, परिचय, पानी और धूप पूछो, प्रतीक्षा, प्रथम दर्शन, प्रभु तुम मेरे मन की जानो, प्रियतम से, फूल के प्रति, बिदाई, भ्रम, मधुमय प्याली, मेरा गीत, मेरा जीवन| बचपन, मेरी टेक, मेरे पथिक, यह कदम्ब का पेड़ , वीरों का कैसा हो वसंत |

15 फ़रवरी 1948 को एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया।

सुभद्रा कुमारी चौहान जी की कविता सुनने के लिए उपर्युक्त लिंक पर क्लिक करें।

अवतार सिंह संधू: एक परिचय

(9 सितम्बर 1950 - 23 मार्च 1988)

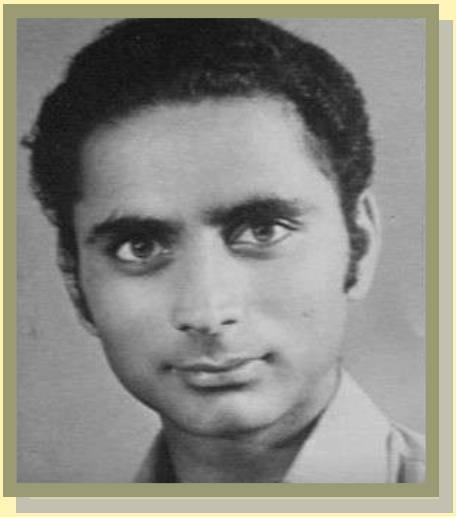

अवतार सिंह संधू, जिन्हें सब पाश के नाम से जानते हैं पंजाबी कवि और क्रांतिकारी थे। अवतार सिंह पाश उन चंद इंकलाबी शायरो में से है, जिन्होंने अपनी छोटी सी जिन्दगी में बहुत कम लिखी क्रान्तिकारी शायरी द्वारा पंजाब में ही नहीं सम्पूर्ण भारत में एक नई अलख जगाई। जो स्थान क्रान्तिकारियों में भगत सिंह का है वही स्थान कलमकारो में पाश का है। इन्होंने गरीब मजदूर किसान के अधिकारों के लिये लेखनी चलाई, इनका मानना था कि बिना लड़े कुछ नहीं मिलता उन्होंने लिखा **"हम लड़ेंगे साथी"** तथा **"सबसे खतरनाक होता है अपने सपनों का मर जाना"** जैसे लोकप्रिय गीत लिखे। आज भी क्रान्ति की धार उनके शब्दों द्वारा तेज की जाती है।

उन्होंने महज 15 साल की उम्र से ही कविता लिखनी शुरू कर दी और उनकी कविताओं का पहला प्रकाशन 1967 में हुआ। उन्होंने **सिआड, हेम ज्योति** और हस्तलिखित **हाक पत्रिका** का संपादन किया। पाश 1985 में अमेरिका चले गए। उन्होंने वहां एंटी 47 पत्रिका का संपादन किया। पाश ने इस पत्रिका के जरिए खालिस्तानी आंदोलन के खिलाफ सशक्त प्रचार अभियान छेड़ा। पंजाबी में उनके चार कविता संग्रह.. **लौह कथा, उड्डदे बाजां मगर, साडे समियां विच** और लड़ेंगे साथी प्रकाशित हुए हैं। हिन्दी में इनके काव्य संग्रह **बीच का रास्ता नहीं होता** और **समय ओ भाई समय** के नाम से अनूदित हुए हैं। पंजाबी के इस महान कवि की महज 39 साल की उम्र में 23 मार्च 1988 को उनके ही गांव में खालिस्तानी आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पाश धार्मिक संकीर्णता के कट्टर विरोधी थे।

उनकी पहली कविता 1967 में छपी थी। अमरजीत चंदन के संपादन में भूमिगत पत्रिका 'दस्तावेज' के चौथे अंक में परिचय सहित पाश की कविताओं का प्रकाशन पंजाबी साहित्य के क्षेत्र में धमाके की तरह था। उन दिनों पंजाब में क्रांतिकारी संघर्ष अपने उभार पर था। पाश का गांव तथा इलाका इस संघर्ष के केन्द्र में था। उन्होंने इसी संघर्ष की जमीन पर कविताएं रचीं और इसके 'जुर्म' में गिरफ्तार हुए। करीब दो वर्षों तक जेल में रहकर सत्ता के दमन का मुकाबला करते हुए उन्होंने ढेरों कविताएं लिखीं। वहीं रहते उनका पहला कविता संग्रह 'लोककथा' प्रकाशित हुआ जिसने पंजाबी कविता में उनकी पहचान दर्ज करा दी।

1972 में जेल से रिहा होने के बाद पाश ने **'सिआड'** नाम की साहित्यिक पत्रिका निकालनी शुरू की। पंजाब के लेखकों-संस्कृतिकर्मियों को एकजुट व संगठित करने के प्रयास में पाश ने **'पंजाबी साहित्य-सभ्याचार मंच'** का गठन किया तथा अमरजीत चंदन, हरभजन हलवारही आदि के साथ मिलकर 'हेमज्योति' पत्रिका निकाली। इस दौर की पाश की कविताओं में भावनात्मक आवेग की जगह विचार व कला की ज्यादा गहराई थी। चर्चित कविता 'युद्ध और शांति' उन्होंने इसी दौर में लिखी। 1974 में उनका दूसरा कविता संग्रह **'उडडदे बाजा मगर'** छपा और तीसरा संग्रह **'साडे समियां विच'** 1978 में प्रकाशित हुआ।

उनकी मृत्यु के बाद **'लड़ेंगे साथी'** शीर्षक से चौथा संग्रह आया जिसमें प्रकाशित व अप्रकाशित कविताएं संकलित हैं।

अवतार सिंह पाश की कविताओं को सुनने के लिए के लिए उपर्युक्त लिंक पर क्लिक करें।

अंजीर के फायदे

अंजीर एक तरह का फल है जिसे अंग्रेजी में Fig कहा जाता है। यह दो प्रकार का होता है। एक अंजीर बोया हुआ होता है जिसके फल और पत्ते बड़े होते हैं और दूसरा जंगती होता है जिसके फल और पत्ते छोटे हैं। कच्चे अंजीर का रंग हरा होता है और पके हुए का रंग पीला या बैंगनी और अंदर से हल्का तात रंग का होता है।

अंजीर शरीर को ढेरों फायदे पहुंचाता है. आयुर्वेद भी इसके गुणों की वजह से इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करने की सलाह देता है. इसमें घुलनशील फाइबर होता है.. जो वजन कम करने और ब्लड शुगर कंट्रोल रखने में मदद करता है. इसके अलावा ये कई बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है।

कैंसर, दिल और सांस से संबंधित बीमारी, गठिया, टीवी, डायबिटीज, यौन शक्ति, पाचन क्रिया जैसी दूसरी काफी शारीरिक बीमारियों को ठीक करने के लिए अंजीर का इस्तेमाल किया जाता है। अंजीर ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। इसे हृदय संबंधी समस्याओं का एक प्रमुख कारण माना जाता है। अंजीर को फल या ड्राय फ्रूट्स के रूप में खाया जा सकता है। अगर कोई सूखा अंजीर खाना चाहे तो इसे भिगोकर खाना अधिक फायदेमंद होता है।

अंजीर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने का काम करता है। इसमें बहुत सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जिसमें फाइबर भी शामिल है। अंजीर में फाइबर लगभग 30% तक मौजूद होता है जिसकी वजह से यह पेट में गैस बनने या कब्ज होने से रोकता है और खाना को समय पर हजम करता है। खाना समय पर हजम होने की वजह से सौच समय पर होता है जिसके कारण पेट अच्छे से साफ हो जाता है और भूख भी समय पर लगती है।

अंजीर में कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जिसका काम हड्डियों को मजबूत बनाना है। अंजीर का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ साथ इससे जुड़ी बीमारियों को ठीक भी करता है। अगर आपकी हड्डियां कमजोर है या फिर आपकी हड्डियों में किसी तरह की कोई बीमारी है तो आप इस फल का सेवन कर सकते हैं।

अंजीर में फिनोल और ओमेगा 3 के गुण पाए जाते हैं जो दिल को सेहतमंद रखने के लिए बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। साथ ही अंजीर का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है जिससे दिल के मरीजों को बहुत आराम मिलता है।

शरीर में पोटेशियम और सोडियम की कमी होने के कारण हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत होती है। इस स्थिति में अंजीर का इस्तेमाल कर इस समस्या को दूर किया जा सकता है क्योंकि इसमें पोटैशियम काफी ज्यादा मात्रा में पाया जाता

अंजीर के फायदे

है। साथ ही अंजीर में सोडियम की मात्रा काफी कम होती है जो हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए जरूरी है। कुल मिलाकर अंजीर के अंदर वे सभी गुण मौजूद हैं जिनकी मदद से हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है।

अनियमित जीवनशैली और खान पान की वजह से आज काफी लोग मोटापे से परेशान है। लेकिन घर बैठे-बैठे अंजीर की मदद से अपने वजन को कम किया जा सकता है। अंजीर में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा काफी ज्यादा होती है जिसका इस्तेमाल वजन कम करने के लिए किया जा सकता है। एक अंजीर में लगभग 50 कैलोरी होती है।

शरीर में खून की कमी होने पर अनीमिया की शिकायत होती है। इस समस्या को अंजीर का सेवन कर दूर किया जा सकता है। अंजीर में आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो खून की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। अगर आप अनीमिया से पीड़ित है तो आप इस फल को अपने डाइट में शामिल कर सकते है।

अंजीर पेट और ब्रेस्ट कैंसर को होने से रोकता है। रिसर्च ने इस बात को साफ किया है की अंजीर में फाइबर बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है जो ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को काफी हद तक खत्म करता है।

अंजीर में बहुत से ऐसे गुण पाए जाते हैं जो अस्थमा की समस्या को दूर करने में सहायक होते हैं। अंजीर का मेथी दाने के पाउडर और शहद के साथ सेवन करके अस्थमा को काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। साथ ही साथ अंजीर का जूस भी पी सकते हैं। अस्थमा को ठीक करने के साथ साथ यह दूसरी भी कई शारीरिक बीमारियों को ठीक करने तथा शरीर को फिट रखने में मदद करता है।

अंजीर के ढेरों फायदे हैं वैसे ही इसके कुछ नुकसान भी हैं। अंजीर का इस्तेमाल करने से पहले इससे जुड़े नुकसान और सावधानियों के बारे में पता होना जरूरी है। जैसे किसी भी दूसरी चीज का जरूरत से ज्यादा सेवन करने से परेशानी शुरू हो जाती हैं वैसे ही अंजीर का ज्यादा सेवन भी हानिकारक साबित हो सकता है।

अंजीर का सेवन करने से कुछ लोगों को एलर्जी की शिकायत हो सकती है। अगर पहले ही इससे एलर्जी है तो इसका सेवन करने से बचें।

अगर पहली बार इसका सेवन करने जा रहे हैं तो कम मात्रा में इसका सेवन करें।

अंजीर में शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है इसलिए डायबिटीज के मरीज को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

अंजीर को ज्यादा खाने से दांत सड़ सकते हैं और इसमें कीड़े भी लग सकते हैं। इसलिए सावधानी और जरूरत मुताबिक ही इसका सेवन करना चाहिए।

अंजीर की तासीर बहुत गर्म होती है इस वजह से इसका ज्यादा सेवन करने से बचें।

अंजीर खाने के फायदे जानने के लिए वीडियो विह्न पर क्लिक करें।

अंजीर खाने के फायदे जानने के लिए वीडियो विह्न पर क्लिक करें।

श्रीमती रूमा देवी

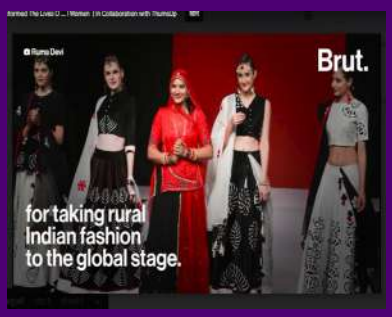

के बारे में जानने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

राजस्थान के बाड़मेर जिले की रूमा देवी की कहानी सही मायने में हिम्मत की एक मिसाल कायम करती है। चार साल की उम्र में उनकी माँ गुजर गई। उनका बचपन दादीमा के साथ ही बीता। आठवीं कक्षा तक पढ़ी रूमा देवी की 17 साल की उम्र में शादी हो जाती है। अपने बच्चे को 48 घंटे में खो बैठी और इसी दर्द को भुलाने के लिए तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से वह सिलाई के काम में लग गई।

रूमा देवी और 10 महिलाएँ आपस में मिलकर एक पुरानी सिलाई मशीन के साथ अपनी यात्रा शुरू की। उनकी मुलाकात बाड़मेर में अवस्थित एक एनजीओ ग्रामीण विकास चेतना संस्थान से हुई। पहले तो उन्हें 3 दिनों के लिए एक कार्य पूरा करने का आदेश दिया गया, जिसे उनकी टीम ने 1 रात में ही पूरी कर दिखाई। इससे उनके पास और कार्यों की मांग आने लगी। रूमा फिर आसपास के गांवों से शिल्पकार ढूँढ़ने निकल पड़ी परंतु उसमें भी रुकावट आई कि लोग उनके साथ काम करने में शंका व्यक्त करने लगे। इसके बाद देवी जी गांव में प्रशिक्षण केंद्र खोलीं। कुछ समय बाद ही महिलाएं बैग, पर्दा तथा कुशन कवर बनाने लग गए।

21 साल की उम्र में वह पहली बार राजस्थान के बाहर गई और दिल्ली के एक मेले में सामान बेचने लगी। वहाँ दो से तीन दिनों के भीतर 10 से 15 हजार की बिक्री हुई। इसी से उनको अगले मेले के लिए प्रेरणा मिली तथा उन्हें हिम्मत बढ़ा कुछ कर दिखाने की। अगले मेले में उन्होंने 11 लाख की बिक्री की।

मेले से मिली इस कामियाबी के बाद रुमा फैशन शो में जाने की ठान ली। परंतु सभी जगह से उन्हें यही सुनने को मिला कि यह डिजाइनर का काम है जो वह नहीं कर पाएंगी। इस तरह के नकारात्मक मनोभाव को देखते हुए रूमा देवी एवं उनकी टीम ब्रैंड न्यू कॉलेक्शन पर काम शुरू की। साल 2016 में रूमा देवी एवं उनकी टीम के लिए पलट दे मुहूर्त था यानी एक नया मोड़ लिया जब राजस्थान हेरिटेज शो में सारे मॉडेल उनके द्वारा बनाए गए कपड़े पहने हुए थे। इस प्रकार पहली बार किसी फैशन में उनका कपड़ा प्रदर्शित किया गया तथा सभी को काफी पसंद आया।

इसके बाद उनका काम जर्मनी एवं यूएसए के हैम टेक्स्टाइल मेले में प्रदर्शित हुआ। साल 2018 में देवी जी के लिए तुफानी मुहूर्त रहा जब उनको भारत में महिला के लिए सर्वोच्च सम्मान नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अगले साल उनका अपने नाम से लेबेल भी बन गया। इसके बाद साल 2020 में महात्मा ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय से उन्हें पीएचडी से सम्मानित किया गया। साल 2021 में उन्हें 3000 से अधिक महिलाओं को नौकरी देने तथा ग्रामीण भारतीय फैशन को विश्व प्लैटफॉर्म में लाने के लिए हार्वार्ड विश्वविद्यालय से वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

जूता महिमा

स्कूल की छुट्टीयां हुई तो गुड्डू अपनी नानी के घर चला गया।

एक दिन उसने देखा कि नानाजी अपने पैर की मरहम-पट्टी कर रहे हैं। तो गुड्डू ने उत्सुकतावश पूछा... क्या हुआ?

*उसके नाना बोले... *जूते ने काट लिया है*।*

*गुड्डू हैरान... **तो जूता *'काटता भी है'*।***

*अगली छुट्टियों में फिर मामा के घर गए तो उन्हें *जूते में तेल लगाते* पाया।*

फिर उसने पूछा क्या हुआ?

*मामा बोले... ये *चूं चूं* करता है।*

*गुड्डू ने कहा... "कमाल है **'जूता बोलता भी है'*।"***

*फिर अगली छुट्टियों में चाचा के घर जब गया तो उन्हें कहते सुना कि फ़लांना तो *जूते का यार* है...*

*ओह तो **'जूते दोस्ती भी करते हैं'*।***

*उससे अगली छुट्टियों में बुआजी जी के यहां गए तो फूफाजी किसी के बारे में कह रहे थे कि वह तो *जूते खाये बिना* मानेगा नहीं।*

*अरे वाह... ***"जूते खाये भी जाते हैं"* याने भूख मिटाते हैं।***

*फिर अगली होली में देखा कि एक आदमी को गधे पर बैठाया गया है और उसके गले में *जूते* पड़े हैं और लोग नाच गा रहे हैं।*

ये देख गुड्डू ने अपने पापा से पूछा कि ये क्या है?

*उसके पापा बोले कि इस आदमी को इस साल मूर्खाधिराज चुना गया है और इसके गले में *जूतों का हार* पहनाकर सम्मानित किया गया है।*

*कमाल है... ***'जूते* सम्मान प्रदान करने के काम भी आते हैं'।***

जरा मुस्कुराइए

*जब गुड्डू थोड़ा और बड़ा हुआ तो उसे फुटबॉल मैच देखने का चस्का लग गया तो पता चला कि सबसे अधिक गोल स्कोर करने वाले खिलाड़ी को *'गोल्डन बूट'* दिया जाता है।*
*वाह... **पुरस्कार में *सोने का जूता* दिया जाता है।***

*फिर कुछ समय बाद जब वो थोड़ा और बड़ा हुआ तो पता चला कि वेस्टर्न टेलीविज़न और मूवी इंडस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता को *'गोल्डन बूट अवार्ड'* दिया जाता है।*
*कमाल है.... ****सम्मान अभिनेता का हो रहा है कि जूते का*!!!***

एक दिन उसने देखा कि एक आदमी बेहोश पड़ा है। शायद उसे मिर्गी का दौरा आया था। उसके चारों तरफ भीड़ लगी थी। तभी भीड़ में से एक बुजुर्ग ने फरमाया...
*इसे *जूता सुंघाओ*। अभी ठीक हो जाएगा।*
*अरे वाह... ****जूता तो औषधि भी है"*।***
फिर एक दिन वो एक शादी में गया तो उसने वहां देखा कि वर और वधु पक्ष में कुछ सौदेबाजी हो रही है। उसने अपनी माँ से पूछा कि यह क्या हो रहा है?
*उन्होंने बताया कि बेटा दूल्हे की सालियों ने *दूल्हे के जूते* चुरा लिए और अब उन्हें वापस करने के लिए रुपये मांग रही हैं।*
*ओह नो... **जूते का *'अपहरण भी हो जाता है"*।***

जूता काटता है, जूता बोलता है, जूता दोस्ती यारी करता है, जूता खाया जाता है। जूता सम्मान प्रदान करता है। जूता औषधी है और तो और जूते के अपहरण का भरा-पूरा व्यवसाय है।
*फिर एक दिन उसने टीवी सीरियल में देखा कि *श्री राम चन्द्र जी* के वनगमन पर भरत जी ने उनके *जूते अर्थात खड़ाऊँ* को राजगद्दी पर विराजमान करके चौदह वर्षों तक अयोध्या का राजकाज चलाया।*
*तो ****जूता महाराज भी है"*।***

*अंत में गुड्डू ने यही निष्कर्ष निकाला कि हो न हो ****जूते में ही जीवन संकलित"**** है।*

आजादी का अमृत महोत्सव

15, अगस्त, 2022

75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमारे अधिनायक,श्री सोमा शंकर प्रसाद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री इशराक अली खान कार्यपालक निदेशक , कॉर्पोरेट महाप्रबंधकों, उप महाप्रबंधकों की उपस्थिति में, 19 शाखाओं और 9 सीएसपी का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया गया।

अंचल कार्यालय, सॉल्टलेक द्वारा दिनांक 15.08.2022 को माननीय एमडी एवं सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद एवं कार्यपालक निदेशक श्री इशराक् अली खान की उपस्थिति में यूको मोबाइल वैन का उद्घाटन।

अंचल कार्यालय, वाराणसी द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने हेतु वाराणसी अंचलाधीन खुल रही तीन शाखाओं (चितईपुर, सारनाथ एवं रामनगर) क्रमश: 07.08.2022, 11.08.2022 एवं 15.08.2022 को तिरंगा रोड शो का आयोजन किया गया।

हिंदी कार्यशालाएं

चंडीगढ़, जालंधर एवं शिमला अंचल

चंडीगढ़, जालंधर एवं शिमला अंचल द्वारा दिनांक 30.08.2022 को अपराह्न 12.30 बजे हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें व्याख्यान देने हेतु श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला में अंचल के सभी स्टाफ सदस्य को ऑफलाइन एवं सभी शाखाओं के शाखा प्रमुख ऑनलाइन रूप से उपस्थित थे। शिमला एवं जालंधर अंचल कार्यालय एवं उनकी शाखाएँ भी कार्यशाला में ऑनलाइन रूप से उपस्थित थी।

कार्यशाला के सर्वप्रथम श्री के.पी. शर्मा महोदय को शॉल एवं पुस्तक के द्वारा सम्मान किया गया तत्पश्चात श्री मनमीत एस. व्यास, अंचल प्रबंधक महोदय के स्वागत भाषण से हुआ। श्री एस.के.नेगी, अंचल प्रबंधक शिमला अंचल महोदय द्वारा सम्बोधन दिया गया। तत्पश्चात श्री के.पी. शर्मा महोदय द्वारा अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया गया । अंत में श्री संजय जैन, उप अंचल प्रमुख, शिमला अंचल महोदय ने भी प्रत्यक्ष एवं आभासी रूप से उपस्थित स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी कार्यशालाएं

रायपुर अंचल

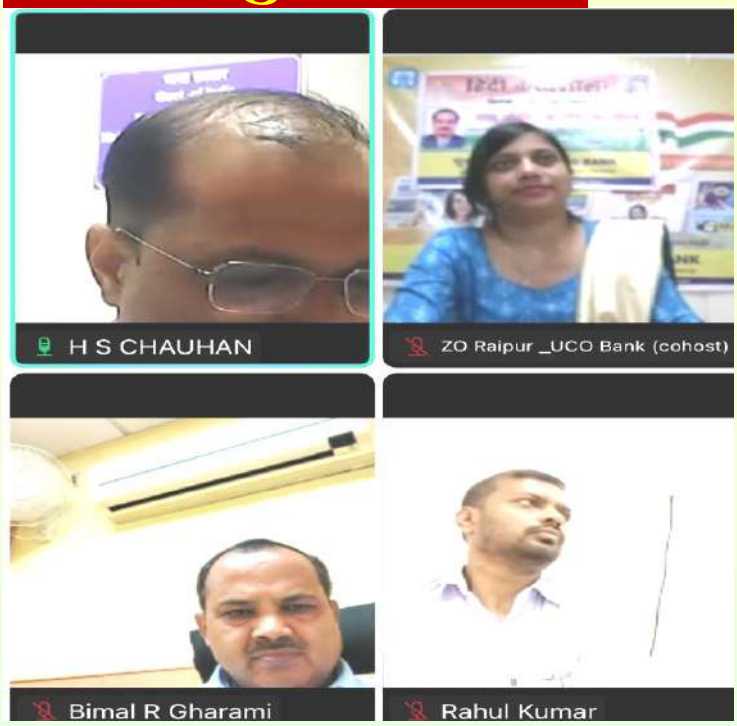

अंचल कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 10.08.2022 को ऑनलाइन माध्यम से हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमे विभिन्न शाखाओं तथा अंचल कार्यालय में पदस्थापित 41 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री हरीश सिंह चौहान, सहायक निदेशक (का.) एवं कार्यालयाध्यक्ष, क्षे. का.का. (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। कार्यशाला की अध्यक्षता उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्रीमती लकि नायक ने की।

इंदौर अंचल

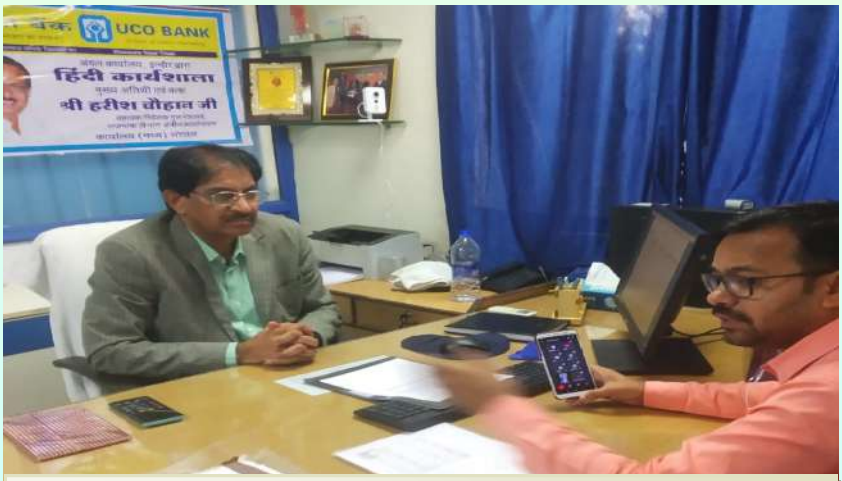

अंचल कार्यालय इंदौर द्वारा दिनांक 05.08.2022 को शाखा प्रबंधकों के लिए प्रयोजनमूलक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन अंचल प्रबंधक श्री विवेक कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्री हरीश सिंह चौहान, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) उपस्थित थे।

हिंदी कार्यशालाएं

लखनऊ अंचल

यूको राजभाषा सम्मान

सूरत अंचल

दिनांक 05/08/2022 को अंचल कार्यालय सूरत द्वारा वीर नर्मद विश्वविद्यालय में यूको राजभाषा सम्मान का आयोजन किया गया जिसमें वर्ष 2021-22 में हिंदी में उत्तीर्ण शीर्ष दो छात्राओं सुश्री कामिनीबेन हरिषभाई एवं सुश्री तृप्ती बेन ईश्वरभाई को सम्मानित किया गया।

साइबर जागरूकता दिवस

प्रधान कार्यालय

माननीय कार्यपालक निदेशक श्री इशराक् अली खान, श्री डी. के. मृधा, महाप्रबंधक, वसूली, श्री एम.के. आनंद, महाप्रबंधक, वसूली एवं विधि की उपस्थिति में प्रधान कार्यालय के कार्यपालकों (मुप्र एवं समप्र) के लिए आयोजित साइबर सुरक्षा जागरूकता दिवस।

लखनऊ अंचल

साइबर अपराध से बचने के लिए जरूरी सतर्कता बरतें बैंककर्मी

साइबर सुरक्षा विशेषांक जारी करते बैंक के अंचल प्रमुख अविनाश शुक्ला • सौ. बैंक

जारी, लखनऊ: केंद्र सरकार के निर्देश पर माह के पहले बुधवार को यूको बैंक के अंचल कार्यालय में साइबर जागरूकता दिवस मनाया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे बैंक के अंचल प्रमुख अविनाश शुक्ला ने साइबर सुरक्षा विशेषांक का विमोचन किया। यहां उपअंचल प्रमुख सिद्धार्थ तिवारी, मुख्य प्रबंधक विपुल गंगवार, मुख्य प्रबंधक राजेश अस्थाना, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. रजनी गप्त और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूको बैंक में साइबर जागरूकता दिवस आयोजित

लखनऊ। यूको बैंक, अंचल कार्यालय में साइबर जागरूकता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर सुरक्षा विशेषांक पत्रिका का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी में यूको बैंक स्टाफ सदस्यों के बीच सूचना तकनीक से जुड़े सवालों पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। अंचल कार्यालय, लखनऊ में आज साइबर जागरूकता दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता करते हुए अंचल प्रबंधक अविनाश शुक्ला ने साइबर सुरक्षा विशेषांक का लोकार्पण करते हुए साइबर अपराधों पर एक प्रेजेंटेशन देते हुए यूको बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों के बीच साइबर अपराधों को रोकने व देश में जरूरी एहतियाती उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उपअंचल प्रमुख सिद्धार्थ तिवारी, मुख्य प्रबंधक विपुल गंगवार, मुख्य प्रबंधक राजेश अस्थाना, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. रजनी गप्त और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नराकास पुरस्कार

नराकास(बैंक), सूरत से द्वितीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए यूको बैंक, अंचल कार्यालय, सूरत

नराकास(बैंक), पणजी(गोवा) से द्वितीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए यूको बैंक, पाणाजी शाखा

नराकास(बैंक), फरीदकोट से तृतीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए यूको बैंक, फरीदकोट शाखा

नराकास, चंडीगढ़ से तृतीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए अंचल कार्यालय, चंदीगढ़

नराकास, गुरदासपुर से प्रोत्साहन पुरस्कार ग्रहण करते हुए यूको बैंक, गुरदासपुर शाखा

नराकास, अगरतला पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री राजू दास, अंचल प्रबंधक, अगरतला

नराकास पुरस्कार

नराकास(बैंक), जालंधर के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अंचल कार्यालय एवं स्टाफ सदस्यों ने कुल 49 पुरस्कार प्राप्त किए।

नराकास(बैंक), लखनऊ द्वारा यूको बैंक, अंचल कार्यालय, लखनऊ को सराहना पुरस्कार प्रदान किया गया।

नराकास(बैंक), देहरादून द्वारा आयोजित वाद विवाद प्रतोयोगिता में यूको बैंक के श्री रवि पासवान, अंचल कार्यालय, देहरादून को विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

नराकास, गुरदासपुर के तत्वावधान में आयोजित अंतर-बैंक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु श्री सन्नी, यूको बैंक, गुरदासपुर को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

हिंदी शिक्षण योजना, कोल्काता द्वारा दिनांक 03.08.2022 को यूको बैंक, प्रधान कार्यालय में कोलकाता स्थित बैंक एवं बीमा कंपनी के कार्यपालकों एवं राजभाषा संपर्क अधिकारियों की बैठक

नरकास (बैंक) कोलकाता के तत्वाधान में यूको बैंक, अंचल कार्यालय कोलकाता द्वारा दिनांक 24.08.2022 को 'बैंकिंग - एक नए आर्बिट की ओर' विषय पर संगोष्ठी

लीला पैकेज

लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा हिंदीतर भाषा-भाषियों को राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सी-डैक पुणे द्वारा ऑनलाइन लीला हिंदी प्रवाह पाठ्यक्रम पैकेज तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम को 'लीला पैकेज' प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ को अंग्रेजी के अलावा 14 भारतीय भाषाओं असमिया, बोड़ो, बांग्ला, गुजराती, कन्नड, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल एवं तेलुगू के माध्यम से जनसाधारण तक ऑनलाइन वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध कराया गया है।

इस संबंध में विशेष जानकारी के लिए लीला पैकेज को नीचे दिए गए क्यूआर कोड / लिंक पर क्लिक कर खोल सकते हैं:

लीला ऐप को अपने मोबाइल पर खोलने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

प्ले स्टोर :

ऐप स्टोर :

लीला ऐप के माध्यम से प्रबोध प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठक्रम निम्नलिखित रूप में कार्य करती है:

यूको मासिकी के पिछले कुछ अंक

यूको मासिकी के पिछले अंक को देखने के लिए नीचे दिये गए पुस्तक के चिह्न पर क्लिक कर उन्हें पढ़ सकते हैं।

जनवरी– फरवरी 2022

अप्रैल-मई 2022

जून-जुलाई 2022

यूको मासिकी के इस अंक का आकर्षण

जहां-जहां ये चिह्न हैं, उन्हें क्लिक कर आप संबंधित लिंक खोल सकते हैं।

इस चिह्न को क्लिक करने से आप संबंधित वीडिओ देख पाएंगे	इस चिह्न को क्लिक करने से आप हमारे व्हाट्स एप्प से जुड़ जाएंगे	इस चिह्न को स्कैन करने से आप संबंधित जानकारी प्राप्त कर पाएंगे	इस चिह्न को क्लिक करने से आप संबंधित पुस्तक पढ़ पाएंगे

"यूको मासिकी/यूको संगम/अनुगूँज" में प्रकाशनार्थ सामग्री आमंत्रित हैं"

सभी यूकोजनों से अनुरोध है कि **"यूको मासिकी/यूको संगम/अनुगूँज"** के आगामी अंक के लिए सामग्री हमें प्रेषित करें। यह सामग्री शाखा/कार्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों/बैठकों आदि के फोटोग्राफ एवं एक संक्षिप्त रिपोर्ट, ज्ञानवर्धक लेख, बैंक के उत्पाद एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित लेख, ग्राहक एवं स्टाफ की सफलता की कहानी, शाखा की सफलता की कहानी आदि के रूप में भेज सकते हैं।

पाठकगण प्रकाशनार्थ सामग्री अपने व्यक्तिगत विवरण एवं एक पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ **horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in** पर प्रेषित करें।

प्रधान कार्यालय में अगस्त 2022 में विदाई/ सेवानिवृत्ति

श्री जयंत कुमार बिस्वास, उप महाप्रबंधक, रिटेल बैंकिंग विभाग, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे ईडी श्री इशराक् अली खान

श्री जीबन कृष्ण दास, सहायक महाप्रबंधक, जोखिम प्रबंधन विभाग, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे ईडी श्री इशराक् अली खान

श्री उत्पल घोष, वरिष्ठ प्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे ईडी श्री इशराक् अली खान

श्री बुरो बिस्वास, पिओन, अनुपालन विभाग, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे ईडी श्री इशराक् अली खान

Azadi Ka Amrit Mahotsav

यूको बैंक
UCO BANK

फ़िशिंग ईमेल यूको बैंक के नाम से भी आ सकता है?

फ़िशिंग के झांसे में न आएं

धोखेबाजों को आपसे क्या चाहिए?

- पासवर्ड
- वित्तीय जानकारी
- पहचान की जानकारी
- पैसे

इनसे साबधान रहे

- संदिग्ध ईमेल आईडी से प्राप्त ईमेल
- अज्ञात लिंक
- अज्ञात अनुलग्नक

जवाब देने से पहले, ईमेल आईडी की बारीकी से जांच करें, भले ही ईमेल यूको बैंक के नाम से क्यों न हो !

अगर आपको कोई ईमेल संदेहास्पद लगता है ! रुकें और सोचें..

संदिग्ध ईमेल की रिपोर्ट करें ciso.office@ucobank.co.in

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)

UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का — Honours Your Trust

सिक्योरिटी एडवाइजरी 78_03092022 — *सीआईएसओ ऑफिस*

Azadi Ka Amrit Mahotsav

यूको बैंक
UCO BANK

अब बिना किसी शुल्क के

यूएसएसडी आधारित मोबाइल बैंकिंग और अन्य भुगतान सेवाओं का लाभ उठाएं!

*T&C Apply

1800-103-0123 (Toll Free) 8334001234 7666399400 Follow us